Jacksonian Democracy

जैक्सन 1828 ई० के चुनाव में America का राष्ट्रपति हुआ परन्तु इससे पहले ही उसकी लोकप्रियता के आभास 1824 के चुनाव में हो जाता है। जबकि उसने सबसे अधिक मत प्राप्त किये थे। वह इतना लोकप्रिय था कि बहुतों ने इसकी प्रशंसा बहुत प्रकार से की है। पश्चिमी America के लोगों ने इसको सबसे महान सैनिक के रूप में पुकारा है। कुछ लोगों के विचारानुसार - सीजर, नेपोलियन उनकी तुलना में कुछ भी नहीं थे। Foukner के शब्दों में — "Jackson had the characterist of self made man hardened by the stern realitis of the ~~forontier~~ frontier." जैफरसन ने भी कहा है कि, — "His passions are ~~~~ terrible .... He Could never speak on account of the rashness of his feelings. I have seem him attempting repeatedly an as often choke with range."

क्यों कुछ भी हो 4 मार्च 1829 ई० में Jackson का राष्ट्रपति के पद पर सतारूढ़ होना अमेरिकी जीवन में एक नये युग का द्योतक है। सचमुच में वह एक ऐसा उद्घाटन समारोह था जिसे देश ने कभी नहीं देखा था। 10 हजार की संख्या में लोग पाँच-पाँच सौ की मील कि दूरी तय करके उसके शपथ ग्रहण को देखने के लिये वाशिंगटन आये थे। और वे Jackson की जय-जयकार करते हुये ऐसी बात कर रहे थे कि मानों देश को किसी भारी संकट से मुक्त कर लिया गया है। इसका वर्णन करते हुये डेनियल ने लिखा है कि, — "A monstrous Crowd of people is in the city. I never saw anything like it before. persons have

Jackson and they realy seem to that the Country is rescuit from so dreadful danzer." वाशिंगटन के दर्शकों ने भी इसकी तुलना रोम पर असभ्य लोगों के आक्रमण से की। इतना ही नहीं सबसे महत्वपूर्ण दृश्य तो समारोह के बाद उपस्थित हुआ जबकि हर्षोन्माद उत्साह से भरे भीड़ ने White House की ओर प्रस्थान किया और Jackson को देखने की उत्कण्ठा में साटिन से सज्जित कुर्सियों पर कीचड़ लगे हुये पैर को लेकर ही खड़े हो गये और इतनी भीड़ इकट्ठा हो गयी कि कुर्सी और शीशे के समान टूट गये। स्त्रियाँ मूर्छित हो गयी और पुरुषों के नाक से खून गिरने लगा। इसी को देखते हुये न्यायविशष्ठ स्टोरी ने लिखा है कि — "मैंने इस प्रकार के विस्तृत समूह को कभी नहीं देखा है।" मानो भीड़ की सत्ता ही विजयी लग रही थी। एक पुराने federlist ने भी कहा है कि — "The reign of King Mole seemed ~~tr~~ triumphent." लेकिन प्रजातन्त्रवादी के अनुसार, — "It was the People's Day, The people's President and the people would ~~rul~~ rule."

वस्तुतः Jackson सिद्धान्तवादी नहीं था और अपने कार्यारम्भ के समय उसने किसी तरह के सिद्धान्तों को प्रस्तुत नहीं किया। यद्यपि उसने अपने समारोह भाषण में कुछ समस्याओं के सम्बन्ध में जिक्र किया था परन्तु यह प्रश्न उठता है कि क्या वे उनके पूर्ण विचार के द्योतक थे या नहीं? पूंजी अथवा आर्थिक विषयों पर उनके विचार अनिश्चित थी यद्यपि अपने को Jefferson के आदर्शों के अनुयायी बतलाते हैं फिर भी वे महत्वपूर्ण समय में उस मार्ग से अलग हो जाते हैं। वास्तव में वह एक कुशल राजनीतिज्ञ था जिसने अपने साथ अपनी योजनाओं को कार्यान्वित किया।

कि वे राजनीतिक स्वामी बन जायें। किसी यहाँ लेखक ने यहाँ तक कहा है कि — "That 1828 is a more important date in the history of American Democracy than 1776. It maintains that all though Jefferson's deceleration of independence gave us a new political dream, it remained for Jacksonian Democracy to give real form in goverment to Jefferson's ideals. At bests Jeffersonian was a goverment of the people and for the people. Jacksonian created of a goverment of the people, for the people and by the people."

फिर Jackson आंशिक रूप से पश्चिमी सीमा के वातावरण और आंशिक रूप से दुर्भाग्यहीन व्यक्तिगत अनुभवों के कारण पूर्वीय पूँजीवादी लोगों के प्रति गहरे अविश्वास की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। इसके अतिरिक्त एक सीमित कानूनी विशेषज्ञ और एक व्यापारी के नाते Jackson को ज्ञात हो गया था कि पूर्व का पश्चिम के वाणिज्य पर बहुत कुछ आधिपत्य है। उसे यह भी विश्वास था कि श्रमिकों को उनकी सेवायें के बदले बहुत अधिक दिया जा रहा है यह भी तो उन्हें विचित्र लग रहा था और फिलाडेल्फिया और न्यूयार्क के आल-तलब बैंक-व्यवसायियों को टेनसी के कठोर परिश्रम करने वाले लोगों को विनष्ट करने की शक्ति प्राप्त है। और इसीलिये उसे बैंकों के प्रति भी अविश्वास और घृणा होती गयी। इसके ~~समय~~ साथ ही Jackson में ऐसा विश्वास था कि साधारण व्यक्ति भी असाधारण सफलतायें प्राप्त कर सकते हैं वह इस बात को भी मानने के लिये तैयार नहीं था कि सार्वजनिक जीवन के प्रतिष्ठित पद केवल कुलीन और शिक्षितों के लिये ही सुरक्षित है। वस्तुत: उसकी दृष्टि में रीच के शिकारी को भी उतना ही अधिकार प्राप्त था, जितना कि हार्वर्ड के एक ग्रेजुएट को। थोड़े में Jackson के सिद्धांतों

वस्तुतः उसके सम्बन्ध में यह कहा जा सकता है कि उसने साधारण लोगों के लिये, शासन में उसे भाग के लिये तथा ... में शासन का रूप प्रदान करने के लिये दृढ़ होकर संघर्ष करना चाहता था। दूसरे शब्दों में वह उन इने-चुने राष्ट्राध्यक्षों में से था जिनकी आत्मा, मस्तिष्क आम लोगों के साथ थी। Faukner And Kipner के शब्दों में, —" He was the champion of the masses as against the priviledge classes. He was a representative of the will of the people, out to battle aginst privilledge, monoply, greed and power."

वस्तुतः Jackson को साधारण लोगों से इस लिये सहानुभूति और विश्वास था कि वह स्वयं भी उसमें से एक था। बचपन से ही गरीबी के वातावरण में पलने के कारण उसमें विस्फोटक, क्रोध और तीव्र भावुकता भर गयी थी और यही कारण था कि वे जीवन भर पीड़ित वर्ग के समर्थक बने रहे।

Jackson का गणतंत्र यद्यपि Jefferson के सिद्धांतों को स्वीकार करता था फिर भी वह एक दूसरे प्रकार का गणतंत्र था। Jefferson ने सुदृढ़ प्रजातंत्र राज्य की कल्पना की थी परन्तु Jackson के मस्तिष्क सम्भवतः राष्ट्रीय प्रजातंत्री थी। Jefferson कम-से-कम केन्द्रीय शासन में विश्वास रखता था। परन्तु Jackson का विश्वास था कि जनता को अपने आप यथासम्भव शासन करना चाहिये। Jackson के अनुसार जब आवश्यकता पड़े तो जनता को सरकार को व्यापार पर भी नियंत्रण करना चाहिये। Jackson नये युग का, नये दल का, और नये दल विशेष का प्रतीक था और Jefferson वर्जिनिया का एक रईस था जिसमें साधारण लोगों के प्रति कोमल भावनायें थी और उसमें विश्वास करता था लेकिन इसका यह विचार कभी नहीं था,

उसे जन साधारण में विश्वास, राजनैतिक समानता में विश्वास, समान आर्थिक अवसर देने में विश्वास, एका-धिकार, विशेषाधिकारों और पूँजीवादी वित्त की संस्था-ओं के प्रति घृणा थी।"

Jackson के लोकशाही का दूसरा पहलू पूर्वी नगरों का श्रमी वर्ग था। नये श्रमीवर्ग की अधिकाधिक संख्या ने न्यूयार्क को संघीय नगर से परिवर्तित कर एक लोकशाही नगर बना दिया। फिला-डेल्फिया तथा पिट्सबर्ग को Jackson की भावनाओं के केन्द्र का रूप दे दिया। उन्होंने इस युग में अनेक श्रमिक संघों की स्थापना की।

इस प्रकार सशक्त हो जाने पर Jackson ने अपने मुख्य प्रस्तावों को उदारतापूर्वक कार्यरूप में परिणत किया और कांग्रेस के सारे मिले ढंग से स्थानीय सड़कों और नगरों पर धन व्यय करने सम्बन्धी प्रस्ताव को स्वीकार किया था वे उसको विरोध किया।

फिर Jackson ने America के द्वितीय बैंक से साहसपूर्ण सफल संघर्ष किया और उसके पहले और वित्त ~~[illegible]~~ और एकाधिकारी सत्ता का अन्त कर दिया यद्यपि साधारण रूप से बैंक अच्छी तरह चलाया गया था और राष्ट्र के प्रति उसने बहुमूल्य सेवायें की थी किन्तु Jackson ने एक केन्द्रीय धनसत्ता को नापसन्द करते हुये 1832 में उसको पुनः अधिकार देने सम्बन्धी प्रस्ताव पर अस्वीकृत प्रदान की और अगले वर्ष बैंक से सरकारी डिपोजिटरों को निकालकर उन्होंने राज्य-बैंक में जमा कर दिया ताकि केन्द्रीय संस्था के विशेष कार्यक्रम को स्वयं कर सके। ~~निःसन्देह बैंक ने बैंक ने राजनीति में हस्तक्षेप किया था तथा यह एक व्यक्तिगत निकदारी की भी जिसने अमीतृ नीतियों~~

इतना ही नहीं दूसरे विषयों में भी उसने दृढ़ निश्चय के साथ कार्य किया और जब France ने अपने कर्ज ऋण America को चुकाना बन्द कर दिया तब उसने France की अचल सम्पत्ति को जब्त

के परामर्श देकर उसे ठीक कर दिया। जाफ़िया से ... को भंग भंग हटा दिया था। किन्तु जब टेक्सास ... के प्रति विद्रोह कर दिया और विलय के ... America से आग्रह किया तो उन्होंने बुद्धिमानी से ... रहने का रुख अपनाया। इस प्रकार उसने द्वितीय अव... के अन्त तक व्यापक लोकप्रियता प्राप्त की।

इसके अतिरिक्त उसने कई प्रजातांत्रिक प्रवृत्तियों एवं प्रणालियों को प्रश्रय दिया तथा उसने मतदान सम्बन्धी प्रतिबन्धों को हटा दिया और राजनीति में जनता को भाग लेने का सुअवसर प्रदान किया। यहाँ तक कि राष्ट्राध्यक्ष को निर्वाचित करने वाले प्रतिनिधियों को विधान सभा के द्वारा चुना जाना बन्द कर दिया और वे लोकप्रिय मतों से चुने जाने लगे। साथ ही राष्ट्रीय मामलों में पदों पर बारी-2 से नियुक्तियाँ करना एक नियम सा बन गया ~~था~~। इसके लिये उसने राजनैतिक विरोधियों को अपदस्थ कर दिया।

फलतः लोगों के व्यवहार में औपचारिकता और नियमों की जटिलता खत्म होती जा रही थी और वे अधिक प्रजातांत्रिक होते जा रहे थे। दूसरे शब्दों में लोगों के व्यवहार गणतंत्र के प्रारम्भिक दिनों की अपेक्षा अब बहुत बदल गये थे और ऊँचे वर्ग के अच्छे व्यवहार और नीचे वर्ग के बुरे व्यवहार के बीच बहुत कम खाई रह गयी थी।

इतना ही नहीं अब पहले के अपेक्षा लोगों का जीवन अधिकाधिक प्रजातांत्रिक बन रहा था। सस्ते समाचार पत्रों की शुरुआत हो रही थी। London का अनुकरण करते हुये 1833 में बेन्जामिन डे ने सस्ती कीमतों पर "न्यूयार्क सन" की स्थापना की। बुक तथा नीकर, गोकर ~~मासिक~~ इत्यादि मासिक पत्रिका आदि का प्रारम्भ हुआ। जिससे लोगों में प्रजातांत्रिक भावनाओं का उत्पन्न होना स्वाभाविक ऐसा हो गया।

इसके अतिरिक्त शिक्षा के क्षेत्र में निःशुल्क सार्वजनिक स्कूलों की स्थापना की गयी। जिसके लिये कस्बे एवं नगरों में कर लेने की व्यवस्था की गयी और सभी स्थानीय इकाइयों को ऐसा करने के लिये बाध्य किया ... इस तरह साहित्य में भी प्रजातांत्रिक भावनाएँ परिलक्षित

होगी। ब्राइट, पेनी पुत्रा, कुपर और वाशिंगटन एवं इरविंग जैसे लेखक Jackson के प्रबल समर्थक बने। कहा जाता है कि — "पूर्वी समाज पर कुपर के पुस्तक और पश्चिमी क्षेत्रों से संबंधित इरविंग के पुस्तकों ने समान रूप से प्रजातांत्रिक विचार पर बल दिया।

साथ ही डेविड क्रोकेट की "आत्मकथा" और "आगन्तुक" वी० लांग स्ट्रीट की "जार्जिया स्किन्स" जैसे लोकप्रिय रचनाओं ने सीमांत के प्रभावों को दिग्दर्शित किया। उसी तरह बैंक क्राफ्ट की पुस्तक "History of the United State." में असंदिग्ध रूप से Jackson का समर्थन किया गया।

परिणामत: धर्म भी प्रजातांत्रिक हो उठा। पश्चिम में फैले हुये सम्प्रदायों में बैपटिस्ट, मेथडिस्ट, प्रिसबेटेरियन सभी अपने शासन-प्रणाली को प्रजातांत्रिक विचारों से प्रभावित थे एवं उनका उस दिशा में उत्तरोत्तर विकास होने लगा।

इस प्रकार हम देखते हैं कि Jackson ने अपने राष्ट्राध्यक्ष के अवधि में ऐसी प्रजातांत्रिक प्रवृतियों का सृजन किया कि जिसके परिणामस्वरूप प्रजातंत्र की ऐसी लहर चली कि जो दिनोंदिन विकसित होती गयी और अन्त में एक पूर्ण प्रजातंत्र संघीय शासन प्रणाली को कायम करने में सफल हुआ और — "The govt. of the people, for the people and by the people." जैसे Jackson का सिद्धांत का रूप साकार हुआ।